डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

एम.ए.डी. लिट (मानद), एल.एल.डी, डी.सी.एल., लिट. डी.डी. एल एफ आर.एस.एल., एफ.बी.ए. मानद फेलो, ऑल सोल्स कॉलेज (ऑक्सफोर्ड)

जन्म : 5 सितम्बर, 1888

पिता का नाम : श्री एस. वीरासमैया

पत्नी का नाम : श्रीमती एस. शिवकामम्मा

धारित पद : दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर, किंग जॉर्ज-V कलकत्ता विश्वविद्यालय, 1921-39

कुलपति :

(i) आन्ध्र विश्वविद्यालय, 1931-36 और

(ii) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, 1939-48;

सोवियत संघ में विशेष भारतीय राजदूत और पूर्णाधिकारी मंत्री, 1949-52;

अध्यक्ष/चेयरमैन

(i) इंडियन फिलोसोफिकल कांग्रेस, 1927 और 1950

(ii) अधिशासी बोर्ड, यूनेस्को, 1948

(iii) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग, भारत सरकार, 1948-49

(iv) यूनेस्को महासम्मेलन, 1952-54 और 1958 और

(v) बुद्ध जयंती समिति, 1956

लेखक :

(1) फिलॉसफी ऑफ रवीन्द्रनाथ टैगोर

(2) रेन ऑफ रिलीजन इन कंटेम्परेरी फिलॉसफी

(3) इंडियन फिलॉसफी

(4) दि हिन्दू व्यू ऑफ लाइफ

(5) एन आइडियलिस्ट व्यू ऑफ लाइफ

(6) ईस्ट एंड वेस्ट इन रिलीजन

(7) कलकी ऑर दि फ्यूचर ऑफ सिविलाइजेशन

(8) दि रिलिजन वी नीड

(9) गौतम द बुद्ध

(10) ईस्टर्न रिलिजन्स एंड वैस्र्टन थॉट

(11) इंडिया एंड चाइना

(12) रिलिजन एंड सोसाइटी

(13) एजूकेशन, पॉलिटिक्स एंड वार

(14) भगवद्‌गीता

(15) धम्मपद

(16) द प्रिंसिपल उपनिषद्‌स

(17) ईस्ट एंड वैस्ट: सम रिफलेक्शन्स

(18) रिकवरी ऑफ फेथ

(19) ए सोर्स बुक ऑफ इंडियन फिलॉसफी, 1957

(20) दि ब्रह्म सूत्र

(21) ऑकेज़नल स्पीचिज़ एंड राइटिंग्स और

(22) आर्टिकल्स ऑन इंडियन फिलॉसफी इन एन्साइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका

सम्मानित हुए :

भारत रत्न, 1954

भारत के उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के पदेन सभापति, 13.5.1952 से 12.5.1957 और 13.5.1957 से 12.5.1962

भारत के राष्ट्रपति, 13.5.1962 से 12.5.1967

17 अप्रैल, 1975 को दिवंगत हुए।